खबर संक्षेप

औद्योगिक क्षेत्र उदयपुर की दो औद्योगिक इकाइयों का भू-आवंटन निरस्त

मण्डला। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मंडला द्वारा औद्योगिक क्षेत्र उदयपुर में आवंटित दो औद्योगिक इकाइयों का भू-आवंटन निरस्त कर दिया गया है। यह कार्रवाई लीज डीड की शर्तों के उल्लंघन के कारण की गई। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के अनुसार, मैसर्स ऑन सपोर्ट्स पार्ट्स प्रोप्राइटर श्रीमती सादिया बी., निवासी जबलपुर तथा मैसर्स ओम साईं उद्योग प्रोप्राइटर सौरभ शर्मा, निवासी जबलपुर को आवंटित भूखंडों की लीज शर्तों का पालन नहीं किया गया। इसके चलते विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए दोनों इकाइयों का भूआवंटन तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। इस संबंध में आदेश क्रमांक 961 एवं 963, दिनांक 29 जून 2026 को जारी किए गए हैं।

2 जुलाई को जिले में 31.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई

मण्डला। जिले में इस वर्ष 1 जून से 2 जुलाई 2026 के दौरान 92 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है जबकि इसी अवधि तक गत वर्ष 362.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 270.3 मिलीमीटर कम वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 जुलाई 2026 को मंडला में 55.8 मि.मी., नैनपुर में 96.6 मि.मी. एवं बिछिया में 16.6 मि.मी., निवास में 4 मि.मी. एवं घुघरी में 5.6 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। इस प्रकार जिले में 2 जुलाई 2026 को 31.6 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

2047 तक ग्रामीण भारत की नीव मजबूत करेगी योजना-मंत्री

वीबी जीरामजी योजना का जिला स्तरीय शुभारंभ

* ग्रामीण श्रमिकों को मिलेगी 125 दिन के रोजगार की गारंटी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

आंध्रप्रदेश में केंद्रीय पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मंडला जिले के रानी दुर्गावती महाविद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय सम्मेलन सह शुभारंभ कार्यक्रम में देखा गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत योजना के अंतर्गत जिले के प्रथम कार्य के रूप में ग्राम पंचायत आमानाला में मुक्तिधाम के समीप वृक्षारोपण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत के निर्माण में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। योजना के तहत श्रमिकों के पारिश्रमिक की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह योजना पंचायतों के विभिन्न विकास कार्यों को भी गति प्रदान करेगी।

मंत्री श्रीमती उइके ने जल गंगा संवर्धन अभियान का उल्लेख करते हुए इसके सफल क्रियान्वयन की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। इसके साथ ही उन्होंने रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं कार्यक्रम के पूर्व आयुष विभाग द्वारा लगाए गए औषधि के स्टॉल का भी निरीक्षण किया।

इस अवसर पर बिछिया विधायक श्री नारायण सिंह पट्टा ने कहा कि यह योजना ग्रामीणों के लिए रोजगार का सशक्त माध्यम बनेगी। इससे जिले के लोगों को रोजगार की तलाश में पलायन नहीं करना पड़ेगा। ग्रामीणों को गांव में रहकर ही अधिक पारिश्रमिक प्राप्त हो सकेगा।

क्या है वीबी जीरामजी योजना ?

कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शाश्वत सिंह मीना ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आजीविका के अवसरों का विस्तार करना, स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना तथा ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। योजना के तहत ग्रामीण श्रमिकों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाएगी। रोजगार उपलब्ध न होने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ते का प्रावधान है। साथ ही श्रमिकों को अपने गांव में ही रोजगार उपलब्ध होने से पलायन में कमी आएगी और पंचायत स्तर पर विकास कार्यों को भी गति मिलेगी, योजना के अंतर्गत श्रमिकों के पारिश्रमिक में भी वृद्धि की गई है।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश तेकाम, जनपद पंचायत मण्डला के अध्यक्ष संतोष सोनू भलावी, जिला पंचायत सदस्य शैलेष मिश्रा, श्रीमती शकुन जंघेला व श्रीमती गीता मरावी, वरिष्ठ समाजसेवी प्रफुल्ल मिश्रा एवं जयदत्त झा, जनपद सदस्य श्रीमती अम्बेश्वरी बैरागी, सरपंच टिकरवारा श्रीमती श्रद्धा उईके कवरेती, सरपंच बड़ी खैरी श्रीमती सीमा गोंटिया, प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम, एसीईओ जिला पंचायत विनोद मरावी, परियोजना अधिकारी मनरेगा श्रीमती ऋतु तिवारी, सीईओ जनपद पंचायत मण्डला कपिल तिवारी सहित जिला प्रशासन के अधिकारी, अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शिक्षा पोर्टल 3.0 एवं अपार आईडी को लेकर कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

1 जुलाई को विकासखंड घुघरी के मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल में विकासखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े द्वारा कार्यशाला में उपस्थित संकुल प्राचार्यों को शिक्षा पोर्टल 3.0 पर विद्यार्थियों के क्लास प्रोग्रेशन, यू-डाइस पोर्टल में प्रोग्रेशन, अपार आईडी जनरेट करने, ड्रॉपबॉक्स से विद्यार्थियों को हटाने तथा असफल भुगतान वाले खातों को शत-प्रतिशत अपडेट करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती वरकड़े ने कार्यशाला के उपरांत हाईस्कूल गजराज एवं निर्माणाधीन हाईस्कूल भवन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर सभी प्राचार्यों को विद्यालयों में विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए गए।

अमृत हरित महाअभियान के तहत पौधारोपण

मण्डला। अमृत हरित महाअभियान के अंतर्गत बुधवार 1 जुलाई को नगर पालिका परिषद मंडला द्वारा रोजगार कार्यालय पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सब इंजीनियर रुखसार अली, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन-कम्युनिटी मोबीलाईजर पूजा यादव, ऋतिक साहू (वृक्षारोपण सुपरवाइजर) एवं पीडीएमसी के जूनियर सोशल एक्सपर्ट मनीष पांडेय सहित स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर पार्क के समीप स्थित कॉलोनी के निवासियों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। यह कार्यक्रम नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री गजानन नाफड़े के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अभियान का उद्देश्य हरित वातावरण को बढ़ावा देना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनसहभागिता को प्रोत्साहित करना है।

स्थानीय स्वाद एवं पाक-कला का उत्सव

* कुक कम हेल्पर कुकिंग प्रतियोगिता में 57 स्टॉल लगे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

प्रदेश की केबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके के मुख्य आतिथ्य में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय कुक कम हेल्पर कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन पीएम श्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के ऑडिटोरियम हॉल में किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य मध्यान्ह भोजन में उपयोग होने वाली सामग्री से पौष्टिक, स्वादिष्ट एवं स्वच्छ भोजन तैयार करने को प्रोत्साहित करना तथा स्थानीय खाद्य परंपराओं को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान थाली सेहत वाली विषय पर आधारित वीडियो का भी प्रदर्शन किया गया। इसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण भोजन एवं प्रोटीनयुक्त आहार को बढ़ावा देना रहा।

मंत्री श्रीमती उईके ने कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए सभी 57 स्टालों का भ्रमण कर स्व-सहायता समूहों की बहनों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न व्यंजनों को चखा। उन्होंने महिलाओं की रचनात्मकता एवं स्थानीय सामग्री से बने नवाचारी व्यंजनों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारी बहनों ने यहाँ एक से बढ़कर एक व्यंजन पेश किया। इतने उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में शामिल होकर इसे बहनों ने उत्सव बना दिया। उन्होंने सभी स्टालों को तीन-तीन हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान करने की घोषणा की।

विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरूस्कार राशि से सम्मानित किया गया। इसके अंतर्गत प्रथम पुरूस्कार श्रीमती सीमा बैरागी निवासी शांतिनगर बिंझिया को पुरूस्कार राशि 5 हजार रूपए, द्वितीय पुरूस्कार श्रीमती त्रिवेणी नंदा निवासी पदमी एवं श्रीमती सुषमा कछवाहा निवासी रामबाग को पुरूस्कार राशि 3-3 हजार रूपए एवं तृतीय पुरूस्कार श्रीमती अनीता शर्मा निवासी ग्राम भपसा, श्रीमती गीता यादव निवासी ग्राम हिरदेनगर एवं श्रीमती उर्मिला कुर्राम निवासी ग्राम मोहनिया पटपरा को पुरूस्कार राशि 2-2 हजार रूपए देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त श्रीमती रामवती बाई ग्राम मवईजर, श्रीमती सावित्री धारवैया एवं श्रीमती अनीता यादव को 1-1 हजार रूपए सांत्वना पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, विधायक बिछिया श्री नारायण सिंह पट्टा, नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, जनपद पंचायत मण्डला के अध्यक्ष श्री संतोष सोनू भलावी, जिला पंचायत सदस्य श्री शैलेष मिश्रा, श्रीमती शकुन जंघेला व श्रीमती गीता मरावी, वरिष्ठ समाजसेवी श्री प्रफुल्ल मिश्रा एवं श्री जयदत्त झा, जनपद सदस्य श्रीमती अम्बेश्वरी बैरागी, सरपंच टिकरवारा श्रीमती श्रद्धा उईके कवरेती, सरपंच बड़ी खैरी श्रीमती सीमा गोंटिया, प्रभारी कलेक्टर श्री अनिल कुमार राठौर, जिला पंचायत सीईओ श्री शाश्वत सिंह मीना, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम, एसीईओ जिला पंचायत श्री विनोद मरावी, परियोजना अधिकारी मनरेगा श्रीमती ऋतु तिवारी, सीईओ जनपद पंचायत मण्डला श्री कपिल तिवारी, बीआरसी मंडला श्री अनादि वर्मा सहित समस्त बीएसी, जनशिक्षक तथा स्कूलों के चिन्हित अध्यापक के साथ जिला प्रशासन के अधिकारी, अन्य जनप्रतिनिधि, स्व-सहायता समूहों की महिलाएं एवं बड़ी संख्या में कुक कम हेल्पर्स उपस्थित रहे।

वित्तीय साक्षरता शिविर में महिलाओं को दी बैंकिंग योजनाओं एवं साइबर सुरक्षा की जानकारी.........

मण्डला। वित्तीय साक्षरता केंद्र (सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया) मंडला द्वारा विकासखंड बिछिया में वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वित्तीय साक्षरता केंद्र के अधिकारी कृष्णकांत अवस्थी ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं को विभिन्न बैंकिंग एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। शिविर में विकासखंड बिछिया की आजीविका मिशन प्रबंधक शाहिन परवीन, आरसेटी के फैकल्टी राजीव शर्मा एवं आशीष अग्रवाल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान श्री अवस्थी ने महिलाओं को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना सहित बैंक की विभिन्न जमा एवं ऋण योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने डिजिटल बैंकिंग के दौरान होने वाले विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड से बचाव के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की तथा किसी भी साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करने की सलाह दी। शिविर में उपस्थित महिलाओं ने योजनाओं एवं साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी को उपयोगी बताते हुए बैंक अधिकारियों से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

शिक्षक राजकुमार चौकसे 39 वर्ष 8 माह की गौरवपूर्ण सेवा के बाद सेवानिवृत्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/निवास

मंडला जिले के निवास विकासखंड अंतर्गत ग्राम पिपरिया निवासी शिक्षक राजकुमार चौकसे लगभग 39 वर्ष 8 माह की गौरवपूर्ण एवं निष्कलंक शासकीय सेवा पूर्ण करने के बाद मंगलवार को सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय सरस्वाही में ग्राम पंचायत की सरपंच ज्योति मार्को ,सचिव लक्ष्मण दास पिटानिया, शिक्षक बी एस कुशराम विवेक रंजन पटेल, प्रियंका पटेल,राम मिलन यादव सहित शाला परिवार द्वारा विदाई समारोह आयोजित किया गया, जहां उनके लंबे सेवाकाल, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं शिक्षण योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

इसके पश्चात शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपरिया में संकुल स्तरीय विदाई समारोह आयोजित हुआ। इधर राजकुमार चौकसे और शासकीय हाई स्कूल कटंगसिवनी में पदस्थ रहे राजेंद्र मार्को बताया गया राजेंद्र मार्को लगभग 38 वर्ष का सेवा कार्य रहा दोनों शिक्षकों का विदाई समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनील दुबे, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक नवीन व्यौहार, अनुराग जैन, संकुल प्राचार्य डीके गुप्ता, शिक्षक एसएम अली, जनशिक्षक दर्शन भारतीय सहित संकुल क्षेत्र के बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं जनशिक्षक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अतिथियों ने राजकुमार चौकसे और राजेंद्र मार्को को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि राजकुमार चौकसे और राजेंद्र मार्को ने अपने पूरे सेवाकाल में शिक्षा के प्रति समर्पण, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया और सदैव अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन किया।

कार्यक्रम के अंत में राजकुमार चौकसे भावुक हो गए। उन्होंने कहा, आज मैं आप सभी से विदा ले रहा हूं। आप लोगों का जो सहयोग मिला, उसके लिए जीवनभर आभारी रहूंगा। मेरी केवल यही अपेक्षा है कि शाला से सेवानिवृत्त होने के बाद भी आप सभी का स्नेह और सम्मान मुझे मिलता रहे। तब मुझे लगेगा कि मैंने आप सबके साथ अच्छा कार्य किया है।समारोह का समापन बैंड-बाजों के साथ उनकी सम्मानजनक विदाई के साथ हुआ। इस अवसर पर उनके परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे।

राजकुमार चौकसे ने 8 नवंबर 1986 को शासकीय सेवा की शुरुआत की। प्रारंभिक नियुक्ति के बाद उन्होंने 7 फरवरी 1987 से 27 जनवरी 2003 तक प्राथमिक शाला अमदरी में सेवाएं दीं। इसके बाद 21 जुलाई 2003 से 6 सितंबर 2021 तक जनशिक्षा केंद्र पिपरिया में जनशिक्षक के रूप में कार्य करते हुए शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 7 सितंबर 2021 से 1 सितंबर 2022 तक बालक प्राथमिक शाला पिपरिया में पदस्थ रहे। इसके बाद शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय सरस्वाही में प्रभारी प्रधानाध्यापक के रूप में अपनी सेवाएं दीं। लगभग 39 वर्ष 8 माह के गौरवपूर्ण, निष्कलंक एवं समर्पित सेवाकाल के बाद 30 जून 2026 को शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए। अपने पूरे सेवाकाल में उन्होंने अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

कृषि कार्य हेतु जमींन किराये से देना है

हनुमान घाट आश्रम (ट्रस्ट) की खेती के लिये जमींन (सिर्फ कृषि हेतु) 11 माह के लिये किराये से देना है। इच्छुक व्यक्ति 6 दिन के अंदर हनुमान घाट आश्रम में बंद लिफाफे में अपनी निविदा दे सकते हैं।

सम्पर्क - 9516901955 9425163539

कमल कस्तवार (ट्रस्टी)

बदहाली | नैनपुरः भडिया-मुगदरा से बम्हनी मार्ग जर्जर, 7 गांवों के लोग परेशान।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क गड्ढों में तब्दील

* बारिश में हादसे का बढ़ा खतरा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/बम्हनीबंजर

विकासखंड नैनपुर के अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से बना भडिया-मुगदरा से बम्हनी मार्ग अब ग्रामीणों के लिए मुसीबत बन गया है। सड़क पूरी तरह खस्ताहाल हो चुकी है और जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गई है।

इस मार्ग से सात से अधिक गांवों के लोग रोजाना आवाजाही करते हैं, लेकिन मरम्मत और रखरखाव के अभाव में सफर करना जानलेवा साबित हो रहा है।

बारिश ने बढ़ाई परेशानी

बारिश शुरू होते ही सड़क की हालत और खराब हो गई है। गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का पता नहीं चल पाता। इसका सबसे ज्यादा नुकसान दोपहिया वाहन चालकों को उठाना पड़ रहा है। कई जगह डामर की परत उखड़ गई है और साइड शोल्डर टूटकर खतरनाक हो गए हैं। सड़क की सतह पूरी तरह टूटने से वाहनों को रेंग-रेंग कर निकलना पड़ रहा है। भारी वाहनों के निकलने पर उछलने वाला कीचड़ और पानी राहगीरों को भिगो देता है।

रखरखाव नहीं हुआ

स्थानीय लोगों का कहना है कि इसी मार्ग से भारी वाहन गुजरते हैं, जिससे सड़क जल्दी टूट गई। विभाग ने सड़क बना तो दी, पर नियमित रखरखाव नहीं किया। बरसात में पानी भरने से रास्ता ही नजर नहीं आता, जिससे हादसे का डर बना रहता है।

मरम्मत की मांग

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि त्काल सर्वे कराकर अस्थायी मरम्मत कराई जाए ताकि बरसात में आवागमन हो सके। बारिश के बाद सड़क का नए सिरे से निर्माण किया जाए। साइड शोल्डर दुरुस्त कर जल निकासी की पुख्ता व्यवस्था की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क नहीं सुधारी गई तो पूरे मानसून सीजन में दुर्घटनाएं होती रहेंगी और किसी परिवार को अपने खोने का दुख झेलना पड़ सकता है।

खबर संक्षेप

पैसों के लेनदेन की बात पर मारपीट

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कौड़िया निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे गांव के शेखर चौधरी से मेरा आपसी पैसों का लेनदेन था जो मुझे मिला तो मैने पैसा देनें को कहा इसी बात को लेकर शेखर द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये लाठी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। इसी बीच शेखर की माँ भी आ गई तो उसके द्वारा हसिया मारते हुये चोटे पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

कंप्यूटर मैकनिक से मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस सालीचौका के वार्ड क्रमांक 6 के निवासी कपिल पिता कैलाश साहू उम्र 27 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि वह कंम्पूटर सुधारने का कार्य करता है। बीते हुये दिवस जब प्रार्थी अपने साथी रोहित के साथ मोटर साईकिल से कही जा रहा था उसी दौरान रास्ते में आईस्क्रीम के ठेले के पास अपनी मोटर साईकिल को खड़ा करते हुये आईस्क्रीम खाने लगे। इसी बीच ग्राम अर्जुनगांव निवासी जागृत गुर्जर आया और प्रार्थी से बोला की यह मोटर साईकिल किसकी खडी है जब प्रार्थी ने कहा कि हमारी है तो इसी बात को लेकर आरोपी द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

ट्रेक्टर रोककर की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम सुजवारा निवासी खेत सिंह पिता नाथूराम लोधी उम्र 41 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने ट्रेक्टर ट्राली से प्याज भरकर गाडरवारा ले जा रहा था उसी समय मिडवानी माता मंदिर के पास गांव का सत्यम व शिवम लोधी मिली जो पुरानी बुराई को लेकर प्रार्थी के ट्रेक्टर के सामने रास्ता रोकते हुये गंदी गंदी गालिया देने लगे। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो आरोपियों द्वारा मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

घरेलू खर्च मांगने पर पति ने पीटा

गाडरवारा। हर परिवार की परम्परा होती है कि पत्नि अपने घर की संपूर्ण व्यवस्थाये बनाने के लिये पति से पैसा मांगते हुये घर चलाती है। मगर कुछ पति इस तरह होते है कि पत्नी द्वारा पैसा मांगे जाने पर उसके साथ मारपीट करने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की स्थिति बीते हुये दिवस यहां पर भी देखने मिली है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस डमरूघाटा के पास स्थित गौशाला निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब उसने अपने पति कन्हैया लाल से घेरलू खर्च के लिये पैसा मांगे तो पति द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये पत्नी के साथ डंडे से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई।

लापरवाहीपूर्वक बिजली तार से हुई मौत पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समीपस्थ ग्राम कामती में देखने मिली जहां पर खेत में बिजली उपयोग हेतु लगे हुये तार में करेन्ट आने से हुई मौत के चलते पुलिस ने खेत मालिक पर मामला दर्ज किया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि ग्राम कामती निवासी ओमकार पिता सीता किशोर उदेनिया उम्र 50 साल की एक खेत में करेन्ट लगने से हुई मौत को लेकर पुलिस द्वारा मर्ग कायम करते हुये मामले को जांच में लिया गया था।

लगातार मांग करने के बाद भी खुलरी बैंक में अभी तक नहीं लग पाया एटीएम उपभोक्ताओं को अपने खातों से राशि निकलने में लगाना पड़ती है लम्बी लाईने

हरिभूमि न्यूज/ खुलरी। जहां एक ओर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लगातार प्रयास करते हुए देश को डिजीटल इंडिया बनाने में लगे हुए है जिसके चलते लोगों का हर लेन देन बैकों के माध्यम से कराने का प्रयास करते हुए संपूर्ण व्यवस्थाओं के लिए कैस लेस बनाया जा रहा है। इस प्रकार से देश के प्रधान मंत्री की इस सोच को लेकर लोगों द्वारा प्रसन्नता तो निश्चित ही जाहिर की जा रही है। मगर देखा जावे तो ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बैंको में पर्याप्त व्यवस्थाएं नही हो पाने के कारण बैक उपभोक्ताओं को परेशान होना पड़ रहा है जिसको लेकर सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बैकों में पर्याप्त व्यवस्थाएं नही होगी तो फिर क्या देश के प्रधानमंत्री का केश लेश डिजिटल इंडिया बनाने का यह सपना पूरा हो पायेगा? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय खुलरी स्थिति भारतीय स्टैट बैंक में देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि क्षेत्र की मात्र एक बैक के माध्यम से ग्राम खुलरी सहित ग्राम भौरझिर, मुडिया, बिलोनी, सूरना, घघरौला, पटना, लिंगा, पिठहरा, भूमिया ढ़ाना, करहैया, सलैया, बेहरा सहित अन्य गांवों के किसानों से लेकर पंचायत व स्कूली छात्र छात्राओं के खाते इसी बैंक के माध्यम से संचालित हो रहे है। वही दूसरी ओर सरकार द्वारा किसानों के लिये भी अनाज विक्रय से लेकर अन्य योजनाओं की राशि भी बैक खातों में भेजे जाने कारण क्षेत्र के किसान भी इसी बैक के भरोसे चल रहे है, जिसके चलते इस बैक शाखा में प्रतिदिन खातोंदारों की भीड़ लगना आम बात हो चुकी है। वही बैक अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों का प्रयास होता है कि वह अपने उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना करने के लिए मजबूर न करे। मगर बैक के समय में अक्सर सरबर डाउन होने के साथ अन्य प्रकार की परेशानिय आने के कारण वह भी अपने उपभोक्ताओं को समय पर संतुष्ट करने में सफल नही हो पा रहे है। क्योंकि खातेदार अपनी छोटी से छोटी राशि निकालने के लिये भी बैक की लाईन में लगने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है। यह बात अलग है कि खाते से पैसा निकालने के लिये अन्य जगहों पर सुविधाये तो मौजूद है। मगर उस सुविधा का लाभ लेने के लिये खातेदार को अतिरिक्त राशि का भुगतान करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। इसी के चलते क्षेत्र के लोगों द्वारा बीते हुये लम्बे समय से भारतीय स्टैट बैक शाखा खुलरी में एटीएम स्थापित किये जाने की मांग उठाई जा रही है। मगर इसके बाद भी यहां पर एटीएम नही लगना जिम्मेदारों की उदासीनता का प्रमाण उजागर करने से नही चूक रहा है, जिसके चलते देखा जाता है कि ग्राम सहित अनेक गांवों से आने वाले लोग दिन दिन भर लम्बी लाईनों में लगे रहने के बाद जब बैक का समय समाप्त हो जाता है तो उन्हें खाली हाथ अपने घरों को लौटने के लिये मजबूर होना पड़ता है। वही दूसरी ओर बैक में उपभोक्ताओं की पासबुको में एन्ट्री करने की व्यवस्था तक उपलब्ध नही होने से उपभोक्ताओं के अपने खातों जमा राशि की जानकारी तक नही मिल पा रही है? इसी बात को लेकर बीते हुये बीते हुये दो वर्ष पहले ग्राम खुलरी के लोगों द्वारा क्षेत्र के तत्कालीन सांसद राव उदय प्रताप सिंह को एक ज्ञापन सौपते हुये खुलरी स्थित भारतीय स्टैट बैक शाखा में शीघ्र ही एटीएम सहित पास बुक प्रेटिंग मशीन लगाये जाने की मांग की गई गई थी। मगर वह मांग शायद आज तक पूरी ही नही हो पाई है और पता नही कब तक पूरी होगी इसका किसी को पता नही..? क्योंकि सासंद महोदय खुद ही अब सांसद के बाद गाडरवारा विधान सभा क्षेत्र के विधायक के बाद प्रदेश की सरकार में मंत्री बन चुके है...? वही दूसर ओर स्टैट बैक शाखा में एटीएम मशीन न होने को लेकर लोगों की परेशानियों के संबंध में जब ग्रामीणों से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि यह बात सही है कि देश के प्रधानमंत्री द्वारा अच्छी सोच के साथ देश को तरक्की की ओर ले जाया जा रहा है और हर कार्य के लेद देन को सरकार द्वारा जिस प्रकार से कैश लेश किये जाने पर जोर दिया जा रहा है उससे निश्चित भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। मगर वही दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों की बैक शाखाओं में लेन देन के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं नही होने के कारण लोगों को लेन देन करने में परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। इस स्थिति में ग्राम खुलरी बैक में एटीएम की स्थापना की बहुत जरूरी हो गई है जिससे लोग जरूरत पड़ने पर अपने पैसा निकाल सके। इसी प्रकार से गुड उत्पादक कृषकों का कहना है कि जिस प्रकार से सरकार द्वारा किसानों के लिये चलाई जा रही अनेक योजनाओं के साथ साथ अनाज खरीदी का पैसा सीधे किसानों के खातों में भेजा जाता है। मगर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब बैकों में किसानों को अपनी राशि निकालने के लिये पर्याप्त व्यवस्थाएं नही होगी तो वह अपनी राशि कैसे निकाल पायेगा। एटीएम की सुविधाये शहरों में तो है पर गांवो में न होने से लोग परेशान होते है। लगातार मांग किये जाने के बाद भी खुलरी बैक में एटीएम न लग पाना यहां विभाग व क्षेत्र के जिम्मेदारों की उदासीनता का परिणाम है। इसी प्रकार से छात्र छात्राओं से चर्चा की गई तो उसका कहना था कि सरकार द्वारा जिस तरह लेनदेन की व्यवस्था डिजिटल की गई है वह बहुत अच्छी है मगर गांवों की बैकों में एनटीएम न होने से इन योजनाओं का सही लाभ नही मिल पा रहा है। मेरे पास एंड्राइड फोन न होने से में फोन पे नही कर पाती हूं..? अगर गांव में एटीएम की सुविधा होती तो हम सभी स्कूली बच्चों को इसका लाभ मिल सकता था। वही स्कूली छात्रा का कहना है कि हमारे गांव खुलरी की पांच हजार से अधिक की आवादी होने के साथ यहां पर स्थिति स्टैट बैक शाखा से आसपास के अनेको गांव जुडे हुये है। जिसके चलते हजारों छात्र छात्राओं के बैक खाते इसी बैक से संचालित होने के बाद एटीएम की व्यवस्था नही होने से हम छात्र छात्राओं को पैसा निकालने के लिये करेली या फिर गाडरवारा जाने के लिये मजबूर होना पड़ता है।

चीचली विकासखंड के रायपुर स्कूल में कलेक्टर की मौजूदगी में आयोजित हुई शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक, शैक्षणिक गुणवत्ता सहित विद्यार्थियों की उपस्थिति रहा विशेष फोकस

हरिभूमि न्यूज/चीचली। सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में जिस तरह योजनाये चलाते हुये बच्चों के भविष्य को उज्जबल बनाने के लिये पैसा खर्च किये जा रहे है। उसे सार्थक बनाने के लिये अधिकारियों द्वारा शिक्षा सत्र के शुरू होते ही अपनी निगनारी शुरू कर दी गई है। इसी के चलते जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में बीते हुये बुधवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायपुर में विकासखंड चीचली के समस्त प्राचार्यों, विकास खंड शिक्षा अधिकारियों एवं बीआरसी/बीएसी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बताया जाता है कि इस बैठक में विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, बोर्ड परीक्षा परिणाम, छात्र उपस्थिति, नामांकन, अधोसंरचना, अपार आईडी, आधार सीडिंग सहित शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। वही जिला कलेक्टर ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए अधिकारियों एवं प्राचार्यों को समयबद्ध और प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, बेहतर परीक्षा परिणाम और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सभी अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करें और बताया जाता है कि इस दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देश दिए कि कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं तक का पाठ्यक्रम नवंबर-दिसंबर तक पूर्ण कराया जाए। कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं के बोर्ड परीक्षा परिणामों में उल्लेखनीय सुधार लाने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए। वही मेधावी विद्यार्थियों को मेरिट सूची में स्थान दिलाने तथा JEE एवं NEET जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। बैठक में कमजोर विद्यार्थियों के लिए जुलाई माह से रेमेडियल कक्षाएं संचालित करने के निर्देश देते हुये कहा कि विशेष रूप से गणित एवं अंग्रेजी विषयों पर ध्यान देते हुए विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें बेहतर श्रेणी में उत्तीर्ण कराने के प्रयास किए जाएंगे। प्रत्येक माह कम से कम दो मूल्यांकन परीक्षण अनिवार्य रूप से आयोजित किए जाएंगे। वही कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति 50 प्रतिशत से कम है, वहां शिक्षक घर-घर संपर्क अभियान चलाकर पालकों से संवाद करें तथा लगातार 15 दिनों तक अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाए। वनांचल एवं पहाड़ी क्षेत्रों में विशेष रूप से बालिकाओं की उपस्थिति बढ़ाने के लिए अलग कार्ययोजना बनाने के निर्देश भी दिए गए। वही कक्षा 1 से लेकर कक्षा 8 तक के शाला त्यागी बच्चों की पहचान कर उन्हें पुनः विद्यालय से जोड़ने के निर्देश दिए गए। इसके लिए आंगनवाड़ी की सूची से मिलान कर नियमित मॉनिटरिंग करने पर जोर दिया गया। बैठक में अपार आईडी, आधार सीडिंग एवं दस्तावेजों की त्रुटियों के कारण लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश देते हुये कलेक्टर ने कहा कि जिन विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या अधिक है वहां विशेष आधार शिविर आयोजित कर नाम एवं जन्मतिथि संबंधी त्रुटियों का सुधार कराया जाएगा। साथ ही शनिवार तक सभी विद्यार्थियों की ऑनलाइन प्रविष्टियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कक्षा 9वीं एवं 12वीं के शेष विद्यार्थियों की मैपिंग भी निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने को कहा गया। इस दौरान जिला कलेक्टर ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए जर्जर एवं क्षतिग्रस्त विद्यालय भवनों को तत्काल डिस्मेंटल करने तथा आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए। क्षतिग्रस्त बाउंड्रीवालों की मरम्मत एवं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी अधिकारियों की सहायता लेने को कहा गया। इस दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शिक्षा विभाग के कार्यों की वर्ष में कम से कम तीन बार विस्तृत समीक्षा की जाएगी, ताकि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक विपनेश कुमार जैन, जिला परियोजना समन्वयक द्विवेदी सहित विका खंडो के समस्त विकास खंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी/बीएसी तथा विकासखंड चीचली अंतर्गत सभी शासकीय हाई स्कूल एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

शहर से लगे हुये ग्राम बोदरी गांव की सड़कों ने लिया दलदल का रूप, बच्चों को स्कूल आने जाने में हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर सरकार द्वारा पंचायतों के विकास को लेकर करोड़ो रूपया खर्च कर रही है। मगर इसके बाद भी गांवों की स्थिति जिस तरह देखने मिल रही है वह चिंता जनक सच्चाई उजागर करने से नही चूक पा रही है कि आखिर गांवों के विकास के लिये इतना पैसा खर्च होने के बाद भी स्थिति में सुधार क्यों नही आ पा रहा है..? इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम बोदरी में देखने मिल रही है। कहने के लिये तो यह गांव शहर से जुडा हुआ है। मगर इसके बाद भी गांव की सड़को पर जिस तरह से दलदल की स्थिति दिखाई दे रही है वह विकास की सच्चाई को उजागर करने से नही चूक रही है। बताया जाता है कि गांव के लिये आने जाने वाले मार्ग पर जिस तरह बारिश होते ही कीचड़ का साम्राज्य स्थापित होने के कारण ग्रामवासियों को आने जाने में तो परेशानी का सामना करना ही पड़ रहा है। मगर सबसे अधिक परेशानी उन बच्चों को झेलना पड़ रही है जो सुबह शाम स्कूल आते जाते है। क्योंकि सड़को पर कीचड़ का साम्राज्य होने के चलते जहां बच्चों की ड्रेसे खराब होते हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर फिसल कर बच्चे कीचड़ युक्त मार्ग पर गिरने से भी नही चूक पाते है। इस स्थिति में मासूम बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होने से नही चूक पा रही है।

निजी शालाओं में सुविधाओं की कमी, शिक्षित बेरोजगारों का धडल्ले से हो रहा शोषण फिर भी प्रशासन मौन

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

इस समय जिस प्रकार से शिक्षा के नाम पर लोगों द्वारा जिस प्रकार से दुकानदारी चलाई जा रही है उससे बच्चों का भविष्य बनना कम और स्कूल संचालको का निजी स्वार्थ ज्यादा ही नजर आ रहा है? क्योंकि शहर के साथ साथ ग्राम क्षेत्रों में दिन दिन ऊंग रही शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह स्कूल शिक्षा विभागों के नियमों के विरूद्ध स्थापित सुविधाहीन शालायें शिक्षा के नाम पर व्यवसाय करने में जुटी हुइं हैं? इस प्रकार के विद्यालयों में मूलभुत सुविधाओं अलावा विशेषज्ञ शिक्षकों एवं खेल मैदानों का अभाव एक विकट समस्या बना हुआ है, जिसका प्रभाव छात्रों पर पड़ रहा है। इस शहर शहरों के साथ गांव गांव स्थापित निजी शालायें मात्र शिक्षा की दुकान बनकर रह गई हैं? ऐंसी दुकाननुमा शालाओं की शिक्षा हमारे होन हारों पर क्या असर छोड़ेगी इससे सभी अंजान नहीं हैं? शिक्षा की दुकान बनी निजी शालाओं को बढ़ावा देने में पालक भी कम दोषी नहीं हैं। क्योंकि वे जानबूझकर निजी शालाओं के आकर्षण में पड़कर बच्चों का दाखिला करवा देते हैं और बाद में पछताते हैं। इस समय शहरों के आलवा ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जावे तो ऐसी अनेक शिक्षण संस्थायें हैं जहाँ पर मात्र 10 वीं से 12 वीं पास युवक युवती अल्प वेतन मानदेय पर शिक्षक के रूप में सेवाये देकर बेरोजगारी के समय में शोषित हो रहे हैं। इन निजी शालाओं में ना तो छात्र-छात्राओं को पीने के लिये शुद्ध पेयजल, पेशाबघर, शौंचालय, खेल मैदान व बैठने के लिये हवादार कमरे भी नहीं हैं। शहर के साथ साथ गांवों में ऐसी कई शालायें तो किराये के रहवासी मकानों में लग रहीं हैं इसके बाद भी शिक्षक संस्थाओं के संचालक पालकों से सभी व्यवस्थाओं के नाम पर मनमानी फीस वसूल रहे हैं। वही कुछ स्कूलों के संचालको बात करे तो वह गांव में इस प्रकार से अग्रेजी स्कूलों का संचालन कर रहे है, जिन्हे खुदे तो अग्रेजी आती नही है और वह बच्चों को शिक्षा देने वाले शिक्षकों का संचालन करने बैठे हुए है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या इन स्कूलों में बच्चों द्वारा दी जाने वाली फीस के मुताबिक पढ़ाई हो पायेगी? पालकों को चाहिये कि वे शिक्षण सत्र दौरान ही अपनी जागरूकता का परिचय देते हुये पूर्ण नियम कानून से चलने वाली शालाओं में ही अपने बच्चों को प्रवेश दिलाये जिससे उनका भविष्य सँवर सके तथा शिक्षा विभाग से अपेक्षा की जाती है कि गाजर घास की तरह गांव गांव ऊगं शिक्षण संस्थाओं की जाँच करे जो नियमों को दर किनार करके जेबें भरने में लगे हुई हैं। विदित हो कि शिक्षण संस्थाओं में बच्चों को खेलने के लिये निश्चत भूखंड का मैदान होना जरूरी है किंतु यहाँ जो देखने में आ रहा है उससे स्पष्ट रूप से लग रहा है कि शिक्षण संस्थाओं के नाम पर मात्र पैसा कमाया जा रहा है, किराये के मकानों में संचालित होने वाली अग्रेजी माध्याम की एक संस्था का तो यह है हाल है कि ग्रामीण क्षेत्रों से बच्चों वाहन सुविधा के नाम पर पैसा लिया जा रहा है, और उसी वाहन में खुलेआम दिन भर सवाली ढ़ोई जा रह है। यह सच्चाइई गांव गांव संचालित होने वाली शिक्षण संस्थाओं में चल रहे वाहनों में आसानी से देखा जा सकता है कि जिनके पास न तो बच्चों को लाने ले जाने का परमिट है और न ही वाहनों के जरूरी कागज उसके बाद भी खुलेआम बच्चों को सबारियों के साथ भेड बकरी की तरह भरने से नही चूक रहे है।

शहर से लेकर गांव गांव बैंक तो खोली जा रही है ग्राहकों को सुविधायें उपलब्ध न होने से परेशानी

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि शहरों से लेकर गांव गांव आये दिन अनेक बैको द्वारा अपनी शाखाये तो खोली जा रही है। मगर ग्राहकों के लिये जो सुविधाये उपलब्ध होना चाहिये वह कोसो दूर तक गायब रहने से आये दिन बैक उपभोक्ताओं को परेशान होते हुये देखा जाना निश्चित तौर से बैकों की मनमानी का प्रमाण उजागर होने से नही चूक पा रहा है..? वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो बैको द्वारा अपने उपभोक्ताओं के लिए जिस प्रकार से योजनाएं चलाई जाती है उनका लाभ किस स्थिति में उनको मिल पाता है यह बात किसी से छिपी नही है..? यदि बैक की व्यवस्थाओं पर गौर किया जावे तो किसी भी उपभोक्ता का कार्य बगैर दलाल के माध्यम से हो पाना संभव होता हुआ नही देखा जाता है? जिसके चलते आये दिन क्षेत्र के लोगों को बैक के चक्कर लगाते हुए आसानी से देखा जा सकता है? इस संबंध में बताया जाता है कि शासन द्वारा बैकों के माध्यम से किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी जब तक किसानों तक पहुंचती है तब तक या तो योजनाएं बंद हो जाती है या फिर अपने लक्ष्य को पूरा कर लेती है। इतना ही नही यदि क्षेत्र के लोगों को बैक संबंधी में योजना का लाभ लेने का मौका मिल भी जाता है तो बैकों में बैठे अधिकारियों द्वारा उनसे सीधे मुंह बाते नही करते है जिसके चलते मजबूरी बस क्षेत्र के लोगों को बैकों द्वारा नियुक्त किये गये तथा कथित दलालों के पास पहुंचने मजबूर हो जाता है जिसके चलते बैकों द्वारा इन दलालों से फिक्स किये गये अपने प्रतिशत के बाद ही किसान इस प्रकार से सरकार द्वारा चलाई जा रही जन हितैषी योजनाओं का लाभ लेते हुए देखे जा रहे ह? इतना ही नही अक्सर देखा जाता है कि बैकों द्वारा अपने ग्राहको को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान नही किये जाने के कारण या तो ग्राहक रोड पर खड़े होकर बैकों में अपनी कार्य पूर्ण करने का इंतजार करते रहते है? जिसके कारण उनकी जान को पूर्णरूप से खतरा जान पड़ता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय कौड़यि इलाहाबाद बैक में देखने मिल रही है? बताया जाता है कि यह बैक कौड़यि में उस जगह पर स्थित है जहां पर राज्यीय राज मार्ग निकला होने के कारण जब बैक के सामने अपने उपभोक्ताओं की भीड़ लग जाती है तो पूर्णरूप से यातायात प्रभावित होने लगता है, आये दिन देखा जाता है कि बैक द्वारा अपने ग्राहकों के वाहनों का खड़ा करने के लिए कोई उचित व्यवस्था नही किये जाने के कारण बैक पहुंचने वाले उपभोक्ताओं द्वारा अपने वाहन मुख्य रोड के किनारे खड़े कर देते है जिसके चलते यातायात व्यवस्था बांधित तो होती ही है साथ ही साथ बैक उपभोक्ताओं की जान को भी खतरा बन जाता है।

खबर संक्षेप

विकसित भारत जी राम जी योजना का शुभारंभ

अमरपुर। भारत सरकार द्वारा विकसित भारत गारंटी फार रोजगार एण्ड आजीविका मिशन ;ग्रामीणद्ध योजना का 1 जुलाई 2026 से शुभारंभ किया गया। इस तारतम्य में 2 जुलाई को जनपद पंचायत अमरपुर द्वारा ग्राम पंचायत साम्हर में एक बृहद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अमरपुर जनपद पंचायत क्षेत्र के सभी ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक ओम प्रकाश धुर्वे द्वारा उपस्थित जनप्रतिनिधियों को योजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि योजनांतर्गत अब प्रत्येक जॉब कार्डधारियों को एक साल में 125 दिन का रोजगार दिया जाएगा। पंचायतें रोजगार देने में असफल रहती हैं तो बेरोजगारी भत्ता का प्रावधान रखा गया हैं। वहीं मजदूरी दर 300 रुपए प्रतिदिन होगा। योजना को चार श्रेणियां में वर्गीकृत किया गया हैं। जिसमें जल सुरक्षा और संरक्षणए ग्रामीण अवसंरचना से जुड़े कार्यए आजीविका सम्बर्धन कार्य एवं जलवायु परिवर्तन एवं प्रतिकूल मौसम से निपटने वाले कार्य किए जाने का प्रावधान रखा गया हैं। आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जनपद पंचायत अध्यक्ष हन्नू सिंह पट्टाए जिला पंचायत सदस्य प्रीतम मरावीए जिला पंचायत अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी पंकज जैनए जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी लौकेश नारनौरेए राय सिंह मरकाम एवं समस्त सरपंचए सचिवए ग्राम रोजगार सहायक आदि उपस्थित रहे।

खैरदा उपस्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षणए लापरवाही पर नोटिस जारी

डिंडौरी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉण् मनोज पाण्डेय एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉण् ममता दीवान ने गुरुवार को विकासखंड अमरपुर के आयुष्मान आरोग्य मंदिर ;उपस्वास्थ्य केंद्रद्ध खैरदा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।निरीक्षण में सामुद्रायिक स्वास्थ्य अधिकारी मनीषा भारती केंद्र से अनुपस्थित मिलीं। इसे गंभीर मानते हुए संबंधित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया तथा 2 जुलाई 2026 का दिवस अवैतनिक घोषित किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्वास्थ्य केंद्र में निर्धारित मानकों के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं मिलने पर मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉण् सोन सिंह मरकामए खंड कार्यक्रम प्रबंधक अनुराग चौकसे तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरपुर को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। साथ ही सात दिवस के भीतर निरीक्षण में पाई गई कमियों में सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉण् मनोज पाण्डेय ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों की नियमित मॉनिटरिंग जारी रहेगी तथा कर्तव्य के प्रति उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जनपद पंचायत बजाग में हस्ताक्षर अभियान आयोजित

डिंडौरी। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत गुरुवार को जनपद पंचायत बजाग परिसर में जनजागरूकता के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना था।कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती फूलकली मरावीए मुख्य कार्यपालन अधिकारी सचिन कुमार अग्रवाल तथा जनपद सदस्य लोकेश पटैरिया ने हस्ताक्षर कर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। इस अवसर पर जनपद पंचायत के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी अभियान में सहभागिता करते हुए नशे के खिलाफ जनजागरूकता फैलाने की शपथ ली।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्तिए परिवार और समाज तीनों के लिए गंभीर चुनौती है।

पहली बारिश में खुली नगर परिषद की तैयारियों की पोल, बैंक ऑफ इंडिया के सामने सड़क बनी तालाब

जलभराव से मुख्य मार्ग पर यातायात प्रभावित डिवाइडर निर्माण और ड्रेनेज व्यवस्था पर उठे सवाल

शहपुरा। मानसून की शुरुआत से पहले नगर परिषद द्वारा किए गए तैयारियों के दावे पहली ही बारिश में खोखले साबित होते नजर आए। हल्की बारिश के बाद नगर के मुख्य मार्ग पर बैंक ऑफ इंडिया के सामने सड़क पर भारी जलभराव हो गया। कुछ ही देर में सड़क तालाब जैसी दिखाई देने लगीए जिससे आवागमन प्रभावित हुआ और राहगीरोंए वाहन चालकों तथा स्थानीय व्यापारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मुख्य मार्ग पर डिवाइडर निर्माण के बाद से जल निकासी की समस्या लगातार बनी हुई है। उनका आरोप है कि निर्माण के दौरान वर्षा जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं की गईए जिसके कारण मामूली बारिश में भी सड़क पर पानी भर जाता है। लोगों का कहना है कि यदि शुरुआती बारिश में ही यह स्थिति हैए तो मानसून के दौरान लगातार वर्षा होने पर हालात और अधिक गंभीर हो सकते हैं।नगरवासियों के अनुसार इस समस्या को लेकर कई बार नगर परिषद के अधिकारियों को मौखिक एवं लिखित शिकायतें दी जा चुकी हैं। अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण भी कियाए लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका है। परिणामस्वरूप हर बारिश में लोगों को जलभरावए यातायात बाधित होने और दुर्घटना की आशंका जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर जमा पानी का असर आसपास के व्यापारियों के कारोबार पर भी पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद ने विकास कार्यों पर करोड़ों रुपये खर्च होने का दावा कियाए लेकिन मूलभूत सुविधाओंए विशेषकर जल निकासी व्यवस्थाए की अनदेखी की गई। उनका सवाल है कि यदि डिवाइडर निर्माण के साथ प्रभावी ड्रेनेज की व्यवस्था नहीं की गई थीए तो इस निर्माण का उद्देश्य क्या थाघ्इस मुद्दे को लेकर पहले भी कई बार समाचार प्रकाशित हो चुके हैंए लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। पहली ही बारिश में मुख्य मार्ग पर हुए जलभराव ने नगर परिषद की बरसात पूर्व तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि मानसून के दौरान स्थिति और गंभीर होने से पहले जल निकासी की समुचित व्यवस्था कर इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।

पहली ही बारिश में बिछिया की बदहाल व्यवस्था उजागर, घरों में घुसा पानी

नालियों और पुलिया की समय पर सफाई नहीं होने से बिगड़े हालात ग्रामीणों ने पंचायत की कार्यशैली पर उठाए सवाल

शहपुरा। शहपुरा विकासखंड की ग्राम पंचायत बिछिया में पहली ही तेज बारिश ने बरसात पूर्व तैयारियों की हकीकत सामने ला दी। ग्राम मुख्यालय के इंदिरा चौक क्षेत्र में लगातार हुई बारिश के बाद मुख्य सड़क पर भारी जलभराव हो गया। देखते ही देखते सड़क तालाब जैसी नजर आने लगी और पानी का बहाव आसपास के कई घरों तक पहुंच गया। इससे लोगों के घरों में रखा घरेलू सामान प्रभावित हुआए वहीं आवागमन भी बाधित हो गया।स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि बरसात से पहले पंचायत द्वारा नालियों और पुलिया की समुचित सफाई नहीं कराई गई। उनका कहना है कि जल निकासी व्यवस्था समय रहते दुरुस्त नहीं किए जाने के कारण नालियां जाम रहीं और पुलिया में गाद व कचरा जमा होने से बारिश का पानी निकल नहीं सका। नतीजतन पानी सड़क पर भर गया और धीरे.धीरे घरों में प्रवेश कर गया।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर नालियों और पुलिया की नियमित सफाई कराई जाती तो ऐसी स्थिति नहीं बनती। उनका आरोप है कि पंचायत स्तर पर आवश्यक तैयारियों में लापरवाही बरती गईए जिसका खामियाजा अब क्षेत्र के लोगों को भुगतना पड़ रहा है।बारिश के बाद इंदिरा चौक क्षेत्र में कई स्थानों पर जलभराव होने से लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। विशेष रूप से छोटे बच्चोंए बुजुर्गों और दोपहिया वाहन चालकों को काफी दिक्कतें हुईं। वहीं कई परिवारों के घरों में पानी घुसने से घरेलू सामान को भी नुकसान पहुंचा।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल मौके का निरीक्षण कर जाम नालियों और पुलिया की सफाई कराई जाए तथा जल निकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएए ताकि भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा उत्पन्न न हो। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गएए तो आगामी बारिश में हालात और अधिक गंभीर हो सकते हैं।ग्रामीणों का कहना है कि स्वच्छता और ग्रामीण विकास को लेकर किए जाने वाले दावों को धरातल पर उतारने के लिए नियमित सफाई और रखरखाव पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

एक साल से अधूरा पड़ा सक्का तिराहा मार्ग बदहाल सड़क से रोजाना जूझ रहे राहगीर

बीच सड़क लगने वाले साप्ताहिक बाजार से बढ़ रही परेशानीए भारी वाहनों का निकलना हुआ मुश्किल

अमरपुर।

जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्र के अमरपुरदृमंडला मुख्य मार्ग पर स्थित सक्का तिराहा से अमरपुर की ओर जाने वाला संपर्क मार्ग पिछले लगभग एक वर्ष से अधूरा पड़ा है। सड़क की खुदाई के बाद निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से यह मार्ग राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। न तो सीसी सड़क का निर्माण पूरा किया गयाए न डामरीकरण हुआ और न ही गिट्टी.मुरूम डालकर मार्ग को समतल किया गया। परिणामस्वरूप सड़क पर गहरे गड्ढे और कीचड़ बने रहने से आवागमन जोखिम भरा हो गया है। इसी मार्ग से अमरपुरए मंडलाए डिंडौरी और जबलपुर के लिए बसों सहित अन्य भारी वाहनों का नियमित आवागमन होता है। खराब सड़क के कारण बस चालकों को वाहन निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। कई बार बस का पिछला हिस्सा सड़क से टकरा जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार आए दिन दोपहिया वाहन चालक असंतुलित होकर गिरते हैंए जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।हाल ही में जबलपुर से आ रहा एक पेट्रोल टैंकर भी सड़क के गड्ढे में फंस गया था। टैंकर को क्रेन की सहायता से करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। पेट्रोल पंप संचालक के अनुसार टैंकर निकालने में लगभग तीन हजार रुपये का अतिरिक्त खर्च भी करना पड़ा।

स्थिति को और गंभीर बना रहा है सक्का का साप्ताहिक बाजारए जो बीच सड़क में लगाया जाता है। बाजार लगने के दौरान सड़क संकरी पड़ जाती है और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। खराब सड़क और बाजार की भीड़ के कारण भारी वाहनोंए बसोंए एंबुलेंस तथा अन्य जरूरी वाहनों का आवागमन भी प्रभावित होता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार के समय यातायात व्यवस्था संभालने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जातेए जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार प्रशासन और संबंधित विभाग का ध्यान आकर्षित किया गया तथा समाचार माध्यमों में भी मामला उठाया गयाए लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जबकि मंडलादृडिंडौरी मुख्य मार्ग का अधिकांश निर्माण कार्य पूरा हो चुका हैए वहीं सक्का तिराहा का यह महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग आज भी अधूरा पड़ा है।स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और निर्माण एजेंसी से शीघ्र सड़क निर्माण कार्य पूरा करानेए गड्ढों की मरम्मत करने तथा साप्ताहिक बाजार के दौरान सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

एसडीएम ने की शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक शत प्रतिशत नामांकन और विद्यालयों की सुरक्षा पर जोर

डिंडौरी। अनुविभागीय अधिकारी ;राजस्वद्ध ऐश्वर्य वर्मा ने गुरुवार को शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक लेकर शैक्षणिक व्यवस्थाओंए विद्यार्थियों के नामांकन और वर्षा ऋतु के दौरान विद्यालयों में सुरक्षा इंतजामों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विकासखंड शिक्षा अधिकारी ;बीईओद्धए बीआरसीए बीएसी तथा सभी संकुल प्राचार्य उपस्थित रहे।बैठक में विद्यालयों में नामांकन बढ़ानेए नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने तथा मानसून के दौरान विद्यार्थियों की सुरक्षा और आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। एसडीएम ने अधिकारियों से विद्यालयों की वर्तमान स्थितिए मूलभूत सुविधाओं और शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली।

समीक्षा के दौरान श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र बच्चे का शत.प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और प्रवेश अभियान को पूरी गंभीरता एवं सक्रियता के साथ संचालित किया जाए।एसडीएम ने अधिकारियों को विद्यालयों का नियमित निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों की सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने वर्षा ऋतु को देखते हुए विद्यालय परिसरों में सुरक्षाए स्वच्छताए जल निकासी तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया।उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान यदि किसी विद्यालय में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती हैए तो संबंधित अधिकारी तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंए ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ.साथ अध्ययन.अध्यापन की व्यवस्था भी निर्बाध रूप से संचालित होती रहे।

शहपुरा में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश

डिंडौरी।

शहपुरा तहसील कार्यालय में बुधवार को एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा के निर्देशन में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का समय.सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।बैठक में फार्मर रजिस्ट्री पंजीयनए आधार.खसरा लिंकिंगए भू.राजस्व संग्रहण तथा राजस्व न्यायालय में लंबित नामांतरणए बंटवारा और सीमांकन प्रकरणों की समीक्षा की गई। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को लंबित मामलों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए।मानसून को देखते हुए एसडीएम ने अतिवृष्टि से मकान क्षतिए सर्पदंश तथा आकाशीय बिजली गिरने से होने वाली जनहानि एवं पशुहानि से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में प्रभावित लोगों को समय पर राहत उपलब्ध कराने के लिए राजस्व अमला पूरी सतर्कता के साथ कार्य करे।बैठक में राजस्व वसूलीए सीएम हेल्पलाइन तथा जनसुनवाई के लंबित आवेदनों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि आम नागरिकों के राजस्व संबंधी कार्यों का निर्धारित समय.सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाएए ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।बैठक में तहसीलदार आरण्पीण मार्कोए नायब तहसीलदार टीण्एलण धुर्वेए बीण्एसण धुर्वे सहित सभी राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी उपस्थित रहे।

करंजिया में वीबी.जी राम जी योजना का जिला स्तरीय शुभारंभ

डिंडौरी।

केन्द्र एवं राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी वीबी.जी राम जी योजना ;विकसित भारत रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन.ग्रामीणद्ध का जिला स्तरीय शुभारंभ गुरुवार को जनपद पंचायत करंजिया सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरीए जनपद पंचायत सीईओ अक्षय डिगरसेए जनपद अध्यक्ष राजू सिंह उद्देए दिलीप चोवेए सुनीलए किशन जामोत्रीए शशि मरकाम सहित जनप्रतिनिधिए अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान योजना से संबंधित केन्द्र एवं राज्य स्तरीय कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण भी उपस्थितजनों ने देखा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से वीबी.जी राम जी योजना लागू की गई है। उन्होंने बताया कि विकसित भारत रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन ग्रामीण अधिनियम.2025 ग्रामीण परिवारों के लिए महत्वपूर्ण पहल हैए जिसके तहत रोजगार की गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है। यदि पात्र हितग्राही को रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जाता हैए तो बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान किया गया है।उन्होंने बताया कि योजना के तहत मजदूरी का भुगतान डिजिटल माध्यम से साप्ताहिक अथवा अधिकतम 15 दिनों के भीतर सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में किया जाएगा। ग्राम स्तर पर कार्यों का चयन ग्रामसभा के माध्यम से होगाए जिससे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता मिलेगी।सीईओ ने बताया कि योजना के अंतर्गत जल संरक्षण एवं जल सुरक्षाए ग्रामीण अधोसंरचना विकासए आजीविका संवर्धन तथा जलवायु परिवर्तन एवं प्रतिकूल मौसम से निपटने से जुड़े कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि योजना में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक उपस्थितिए जियो.टैगिंगए मोबाइल आधारित मॉनिटरिंग और सार्वजनिक सूचना प्रणाली जैसी व्यवस्थाओं को शामिल किया गया है।

खबर संक्षेप

झमाझम बारिश से खिले किसानों के चेहरे

तेंदूखेड़ा मानसून की तरफ टकटकी लगाए बैठे किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश से जहां खरीफ मौसम की विभिन्न जिंसों को बुबाई करके बैठे कृषकों ने भी राहत की सांस ली है और प्यासी जमीन को भी पानी मिल गया है।उमस भरी गर्मी के कारण आम जनजीवन अस्त-व्यस्त बना हुआ था उससे भी काफी हद तक राहत मिल गई है। चूंकि इस वारिस से अभी नदी नाले उफान पर तो नहीं आये है। फिर भी रिमझिम बारिश जमीन के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है।

अरविन्द जैन बने जिला सचिव

तेंदूखेड़ा विगत दिवस म. प्र. कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी की स्वीकृति एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्रीमति सुनीता पटेल पूर्व विधायक संजय शर्मा दीवान शैलेंद्र सिंह देवेंद्र पटेल गुड्डू भैया की अनुशंसा सहमति से डोभी के प्रतिष्ठित निष्ठावान कार्यकर्ता अरविंद जैन को जिला कांग्रेस कमेटी का सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर संगठन के कार्यकर्ताओ तथा शुभचिंतकों ने बधाईयां प्रेषित की हैं।अपनी नियुक्ति के उपरांत अरविंद जैन ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस को और मजबूती प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा।

शिक्षाविद एवं समाजसेवी सी. बी. नेमा का निधन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं से जुड़े प्रतिष्ठित समाजसेवी चंद्रभूषण (सी.बी.) नेमा का गुरुवार प्रातः निधन हो गया। आप विकास नेमा, विवेकदीप नेमा एवं विनयश्री नेमा के पिताजी, विष्णु नेमा के भाई तथा पत्रकार विनीत नेमा, पुनीत नेमा एवं नवनीत नेमा के बड़े पिताजी थे। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थित होकर मौन श्रद्धांजलि अर्पित की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित कर दी विदाई

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में सेवा निवृत्त कर्मचारियों को शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सहायक ग्रेड-3 हीरालाल पटेल, भृत्य श्रीमती पुष्पा चैधरी, वाहन चालक नरेश दोहरे तथा वाहन चालक दुर्गेश नौरिया को सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानित किया।

अंधी हत्या का पुलिस ने किया खुलासा

पत्नी ने प्रेमी व उसके साथी के साथ मिलकर पति की हत्या

मृतक पति

आरोपी महिला व उसका प्रेमी

चौथे विवाह में पति बना रोड़ा की हत्या

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली पुलिस द्वारा अंधी हत्या कांड का खुलासा किया गया। पुलिस ने बताया कि 30 जून को सूचना प्राप्त हुई कि वारूरेवा नदी पुल के पास एनएच-44 से कुछ दूरी पर झाड़ियों में एक अज्ञात पुरुष का शव पड़ा हुआ है। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई तथा वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए गए। इसके उपरांत शव को पोस्टमार्टम एवं पहचान की कार्रवाई हेतु जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर की मॉर्चुरी भेजा गया। अज्ञात शव की पहचान नरसिंहपुर निवासी तुलसीराम मेहरा के रूप में हुई डोरीलाल मेहरा द्वारा जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर की मॉर्चुरी में शव की पहचान अपने पुत्र तुलसीराम मेहरा के रूप में की गई। पहचान स्थापित होने के उपरांत पुलिस द्वारा प्रकरण की विवेचना को गति देते हुए विभिन्न पहलुओं पर जांच प्रारंभ की गई।

चरित्र संदेह पर होता था विवाद

अंधी हत्या के खुलासे हेतु पुलिस द्वारा विशेष टीम गठित की गई । प्रकरण अंधी हत्या का होने के कारण पुलिस के उच्च अधिकारियों द्वारा मार्गदर्शन में विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए वैज्ञानिक साक्ष्यों, तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र एवं अन्य उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर आरोपियों की पहचान एवं गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। मृतक के परिजनों एवं संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटना स्थल से प्राप्त वैज्ञानिक साक्ष्यों तथा तकनीकी विश्लेषण के आधार पर जांच आगे बढ़ाई गई। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मृतक तुलसीराम मेहरा एवं उसकी पत्नी सरोज मेहरा के बीच पारिवारिक एवं चरित्र संबंधी शंका को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। हत्या का खुलासा होते ही पुलिस टीम ने सरोज मेहरा, महेन्द्र मेहरा एवं विष्णू रजक को अभिरक्षा में लेकर गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा प्रकरण में अन्य साक्ष्यों की बरामदगी एवं विवेचना जारी है।

प्रेम प्रसंग बना हत्या का कारण

जांच में यह भी सामने आया कि सरोज मेहरा पूर्व में दो विवाह कर चुकी थी तथा लगभग एक वर्ष पूर्व उसने मृतक तुलसीराम मेहरा से विवाह किया था। विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों एवं पूछताछ से पता चला कि सरोज मेहरा के महेन्द्र मेहरा, निवासी पुरगवां के साथ अवैध संबंध थे। मृतक को इस संबंध की जानकारी होने के कारण पति-पत्नी के बीच लगातार विवाद एवं मनमुटाव बना रहता था। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर सरोज मेहरा से गहन पूछताछ की गई। वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के समक्ष उसने महेन्द्र मेहरा के साथ अपने संबंध स्वीकार करते हुए उसके साथ मिलकर पति तुलसीराम मेहरा की हत्या की साजिश रचने की बात स्वीकार की। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि योजना के अनुसार विष्णू रजक मृतक तुलसीराम को शराब पीने के बहाने वारूरेवा नदी पुल के पास ले गया। कुछ देर बाद महेन्द्र मेहरा भी वहां पहुंचा, जहां दोनों ने रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को झाड़ियों में फेंककर तीनों मौके से फरार हो गए।

72 हजार रूपए के साथ 12 जुआरी पकड़ाए, 11 वाहन हुए जब्त

अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए पुलिस द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि सम्मान पटेल निवासी गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर के घर पर कुछ व्यक्ति जुआ खेल रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल दबिश दी। पुलिस को देखकर कुछ व्यक्ति अपने वाहन छोड़कर फरार हो गए, जबकि 09 आरोपियों को मौके से जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान 72,000 नगद, ताश के पत्ते एवं अन्य जुआ सामग्री जब्त की गई। साथ ही मौके से स्कॉर्पियो, अल्टो, अर्टिगा एवं किया सहित कुल 07 चार पहिया तथा 04 दो पहिया वाहन भी जप्त किए गए। दबिश के दौरान एक स्कॉर्पियो वाहन में अवैध हथियार होने की सूचना पर उसकी तलाशी ली गई, जिसमें से 03 अवैध देशी पिस्टल एवं 12 जिंदा कारतूस बरामद हुए। उक्त कार्यवाही में जप्त समस्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख बताई गई। आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। साथ ही फरार आरोपियों की तलाश एवं बरामद अवैध हथियारों के स्रोत के संबंध में भी गहन जांच की जा रही है। आरोपी राकेश पिता स्व रामनारायण गुप्ता उम्र 44 साल नि. बहोरीबंद, थाना बहोरीबंद, जिला कटनी, रमाकान्त पिता प्रेमनारायण कौरव उम्र 27 साल नि. ग्राम बम्होरी, थाना गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर, अनिल पिता वसंत साहू उम्र 37 साल नि. छपरा, थाना स्लामाबाद जिला कटनी, शेख इस्लाम पिता शेख मोहर्रम नि. कटरा मोहल्ला, पाटन थाना पाटन, जिला जबलपुर, महेन्द्र पिता लाखन पटेल उम्र 47 साल नि. ग्राम खमरिया, थाना ठेमी, जिला नरसिंहपुर, राजेश पिता स्व देवकी नंदन वैष्णव उम्र 55 साल नि. ग्राम करकबेल, थाना ठेमी, जिला नरसिंहपुर, शंभू पिता स्व संजय ठाकुर उम्र 26 साल नि. ग्राम हिनोता, थाना कटंगी, जिला जबलपुर, राजसिंह पिता गनपत सिंह उम्र 23 साल नि. ग्राम धनेटा, पाटन थाना पाटन, जिला जबलपुर, दीपक पिता गंगाराम तिवारी उम्र 30 साल नि. ग्राम कुआ, थाना बहोरीबंद, जिला कटनी, नीरज पटेल निवासी। गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर, चंदन पटेल निवासी गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर, सम्मान पटेल नि. गोटेगाँव, जिला नरसिंहपुर को गिरफ्तार किया गया।

जन सुनवाई में सुनी लोगों की समसस्याएं आए 215 आवेदन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। आमजनों की सेवा ही ईश्वर सेवा है और हमारे लिए राजनीति का अर्थ केवल जनसेवा है।ß इसी भावना के साथ पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल अपने नरसिंहपुर स्थित निवास पर जनसुनवाई आयोजित की। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। इस दौरान कुल 215 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के लिए भेजा गया। जनसुनवाई में राजस्व, बिजली, पेयजल, सड़क, पेंशन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। जालम सिंह पटेल ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके। विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि जालम सिंह पटेल का आमजन से सीधा संवाद और सहज व्यवहार ही उनकी लोकप्रियता का प्रमुख कारण है। लोग बिना किसी संकोच के अपनी समस्याएं उनके समक्ष रखते हैं और वे भी पूरी संवेदनशीलता के साथ समाधान का प्रयास करते हैं। हर गुरुवार को आयोजित होने वाली यह जनसुनवाई अब क्षेत्रवासियों के लिए भरोसे का मंच बन चुकी है। जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से भी लोग अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर यहां पहुंचते हैं। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और गति आई है तथा आमजन को अपनी बात रखने का प्रभावी माध्यम मिला है। जनसुनवाई के दौरान जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक, पत्रकार बंधु एवं अन्य जन उपस्थित रहे।

शिक्षा विभाग में डिजिटल अटेंडेंस अनिवार्य अनुपस्थित रहने पर होगी वेतन कटौती

गोटेगांव। मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग के लोक शिक्षण संचालनालय एवं राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशों के अनुसार 1 जुलाई 2026 से शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक तथा प्रशिक्षण संस्थाओं के सभी कर्मचारियों के लिए डिजिटल अटेंडेंस दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। आदेश का उद्देश्य कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाना है। उक्त निर्देशों के पालन में विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं सहायक संचालक सिद्धांत बागड़े बुधवार को स्वयं सबसे पहले कार्यालय पहुंचे और अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए कर्मचारियों को समयबद्ध तरीके से अटेंडेंस लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से शासन के निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की। विभागीय आदेशों में स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई कर्मचारी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपनी अटेंडेंस दर्ज नहीं करता है, तो संबंधित दिन उसे अनुपस्थित माना जाएगा तथा नियमानुसार उसके वेतन में कटौती की कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने सभी कर्मचारियों को समय पर कार्यालय पहुंचकर नियमित रूप से अटेंडेंस दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

करकबेल में सरस्वती शिशु मंदिर के नवीन भवन का भव्य शुभारंभ, नए शैक्षणिक सत्र का विधिवत आगाज

करकबेल (नरसिंहपुर)। करकबेल कस्बे में सरस्वती शिशु मंदिर के नवीन भवन का भव्य शुभारंभ एवं नवीन शैक्षणिक सत्र का विधिवत शुभारंभ धार्मिक और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। आकर्षक सजावट से सुसज्जित विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों, अभिभावकों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरदार सिंह पटेल, सचिव, मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन, नरसिंहपुर रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक महेंद्र नागेश ने की। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा जिला उपाध्यक्ष कुंअर हेमेंद्र सिंह, पूर्व विधायक हाकम सिंह, ग्राम भारती के राजकुमार जैन, पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष दुबे सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन, दीप प्रज्ज्वलन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। विद्यालय परिवार द्वारा सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

अपने संबोधन में अतिथियों ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, संस्कार, राष्ट्रभक्ति एवं चरित्र निर्माण की पाठशाला है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों को अपनाकर जीवन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया तथा विद्यालय परिवार को नए शैक्षणिक सत्र के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने विद्यालय के नवीन भवन का अवलोकन भी किया। आकर्षक एवं रंग-बिरंगी सजावट से सुसज्जित परिसर सभी के आकर्षण का केंद्र बना रहा। समारोह के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

एक साथ शिक्षकों के हुए स्थानांतरण से खाली हुआ सांदीपनि विद्यालय

शैक्षणिक व्यवस्था होगी प्रभावित

डोभी। एक तरफ जहां शासन द्वारा एक ही छत के नीचे बिठाकर गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा ग्रहण कराने की दिशा में सर्वसुविधायुक्त सांदीपनि स्कूल खोल रही है। पर्याप्त फंड उपलब्ध कराकर छात्रों को हर विषय की शिक्षा मुहैया कराई जा रही है। लेकिन चांवरपाठा विकास खंड का एक मात्र डोभी सांदीपनि स्कूल में हाल ही में हुए थोक बंद तबादलों के कारण नवीन सत्र से शिक्षा व्यवस्था में ग्रहण लग गया है।

यहां पर विषय बार शिक्षकों का टोटा तो हो ही गया है साथ साथ नये शिक्षण सत्र से पढ़ाई भी प्रभावित होने लगी है।इस व्यवस्था से जहां छात्रों को अपने भविष्य की चिंता सताने लगी है वहीं पालकों में भी चिंता की लकीरें देखने को मिल रही है। यहां पर पिछले सत्र में 16 नियमित शिक्षक कार्यरत थे तथा 11 अतिथि शिक्षकों के साथ 27 शिक्षकों का पर्याप्त स्टाफ था। परंतु अब पांच नियमित शिक्षकों के ट्रांसफर हो जाने के कारण विद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्था लड़खड़ा जाएगी। इस सत्र से विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को देखते हुए आस पास क्षेत्रों से पालकों ने बड़ी संख्या में अपने पाल्यों को दाखिला दिलाया है। लेकिन अब ऐसी परिस्थितियों में अभिभावक अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। वर्तमान समय में अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था के लिए भी अभी कोई ठोस वैकल्पिक व्यवस्था न होने के कारण भी बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने की पूर्ण आशंका बनीं हुई है। विद्यालय में वर्तमान समय में सिर्फ 11 शिक्षक ही कार्यरत रह गए हैं। जिसमें 2 उच्च माध्यमिक शिक्षक 1 सहायक शिक्षक दो प्राथमिक शिक्षक और चार 4 शिक्षक प्रयोगशाला सहायक रह गए हैं। यदि समय रहते स्थाई रूप से शिक्षकों की व्यवस्था नहीं होती है तो निश्चित तौर पर विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होगी। अभिभावकों ने मांग की है कि समय रहते शासन शिक्षकों की स्थाई व्यवस्था सुनिश्चित करें या समय पर विषय बार अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था की जाये।जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो और बच्चे अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ अध्यापन कार्य प्रारंभ कर सकें।

बन चुका है नया भवन

शासन द्वारा डोभी में लाखों रुपए की लागत से गुणवत्तापूर्ण भवन निर्माण करवाया है जो शीघ्र ही शुरू होगा। निर्माण कार्य की वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी इसकी गुणवत्ता की जांच करते रहें हैं।भवन में छात्रों को बैठने से लेकर अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। कम्प्यूटर शिक्षा से लेकर खेल कूद संगीत शिक्षा तक की व्यवस्था कराई जाएगी।